a2zpapers.com

Exam. Code : 216301
Subject Code : 6443

M.A. (Hindi) 1st Semester

ADHUNIK HINDI KAVYA

Paper—I

Time Allowed—3 Hours] [Maximum Marks—80

1. निम्नलिखित पद्यांशों में से किन्हीं **चार** की सप्रसंग व्याख्या करें :–

(I) अवध को अपनाकर त्याग से, वन तपोवन-सा प्रभु ने किया
भरत ने उसके अनुराग से, भवन में वन का व्रत ले लिया।

(II) करुणे, क्यों रोती है ? उत्तर में और अधिक तू रोई–
मेरी विभूति है जो, उसको 'भवभूति' क्यों कहे कोई ?'

(III) तप नहीं केवल जीवन सत्य, करुण यह क्षणिक दीन अवसाद
तरल आकांक्षा से है भरा– सो रहा आशा का आह्लाद।

(IV) नारी। तुम केवल श्रद्धा हो विश्वास-रजत-नग पगतल में,
पीयूष स्रोत सी बहा करो, जीवन के सुन्दर समतल में।

(V) है अमानिशा; उगलता गगन घन अन्धकार;
खो रहा दिशा का ज्ञान; स्तब्ध है पावन चार।

(VI) धीरे-धीरे बढ़ा फिर चरण,
बाह्य की केलियों का प्रांगण
कर पार, कुंज-तारुण्य सुधर
आई, लावण्य-भार-थर-थर।

4×6=24

www.a2zpapers.com www.a2zpapers.com
ad free old Question papers gndu, ptu hp board, punjab

a2zpapers.com

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :–

(I) साकेत के विरह वर्णन पर टिप्पणी करें।

(II) समरसता क्या होती है ?

(III) 'कुकुरमुत्ता' में गुलाब किसका प्रतीक है ?

(IV) 'जूही की कली' कविता का सौन्दर्य स्पष्ट करें।

(V) आधुनिक काव्य में 'दिनकर' का योगदान क्या है ?

(VI) 'उपाध्याय' की काव्यगत विशेषताएं लिखें। 4×6=24

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर विस्तार में दीजिए :–

(I) साकेत के नवम् सर्ग के काव्य वैभव पर प्रकाश डालिए।

(II) कामायनी के दार्शनिक पक्ष की समीक्षा कीजिए।

(III) निराला की छायावादी प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

16×2=32

www.a2zpapers.com www.a2zpapers.com
ad free old Question papers gndu, ptu hp board, punjab